छोटा लड़का ह्यू

रीटा फिलिप, चित्र: कैरोलिन हिंदी: विदूषक

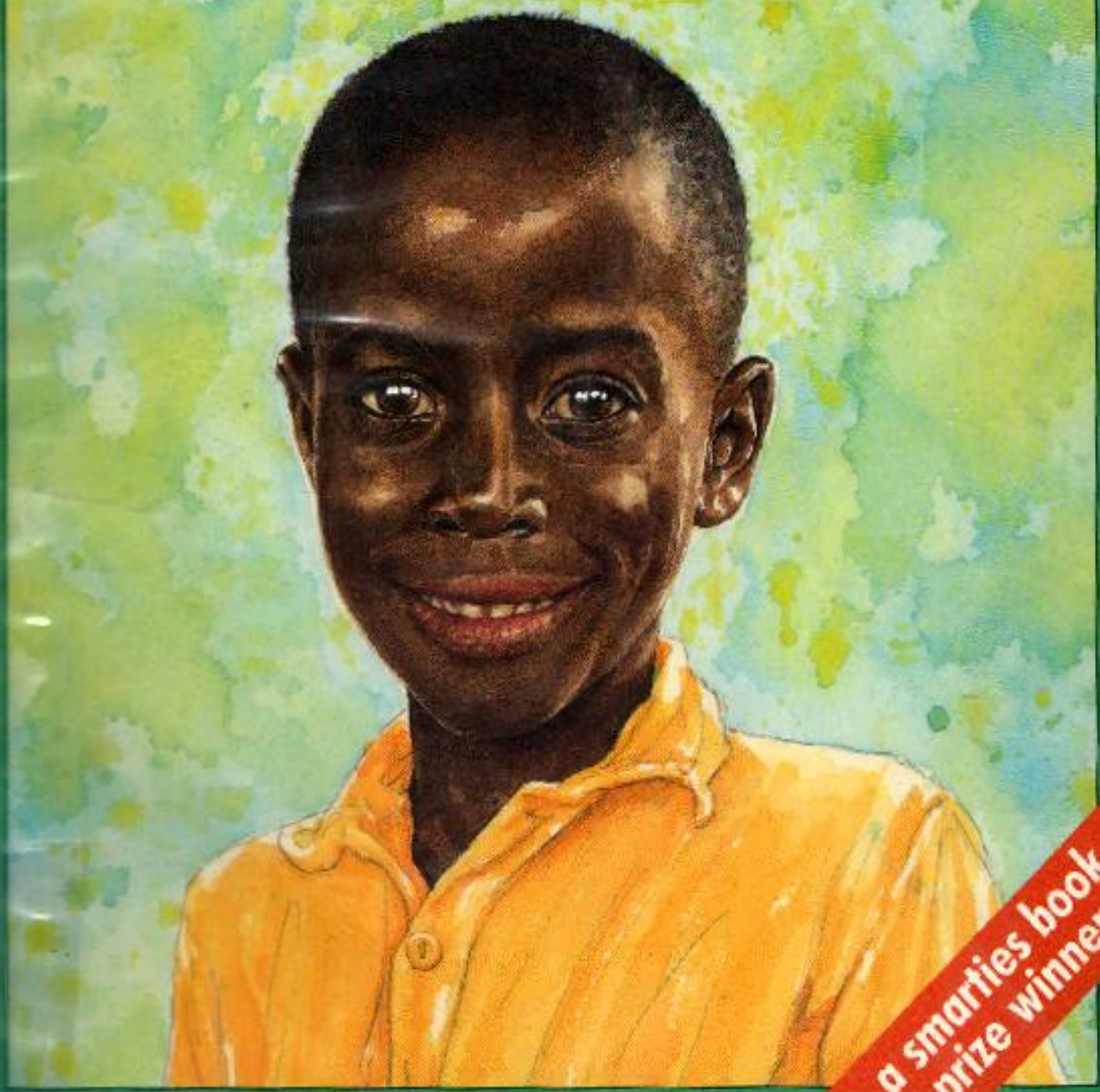

a smarties book prize winner

छोटा लड़का ह्यू

रीटा फिलिप, चित्र: कैरोलिन हिंदी: विदूषक

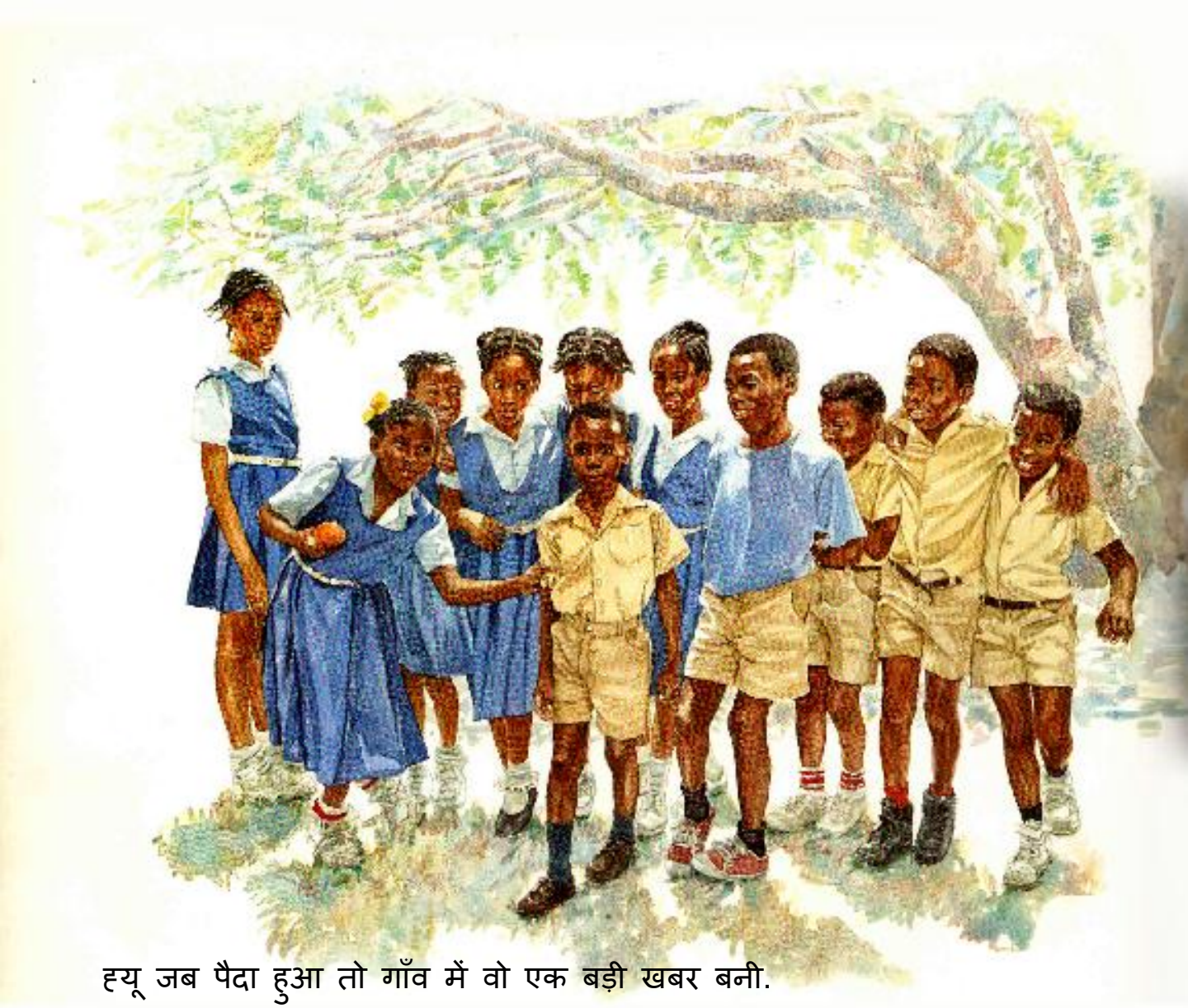

ह्यू जब पैदा हुआ तो गाँव में वो एक बड़ी खबर बनी.
ह्यू का कद बहुत छोटा था. उसके सभी दोस्त उससे बहुत ज्यादा ऊंचे थे.

हर सुबह ह्यू की माँ उसकी ऊंचाई नापती थीं.

“स्कूल जाने से पहले मुझे ज़रा अपनी ऊंचाई नापने दो,” वो कहतीं. “दीवार के सहारे बिल्कुल सीधे खड़े हो जाओ.”

ह्यू ने सीधा खड़े होने की बहुत कोशिश की, पर उससे उसकी ऊँचाई नहीं बदली. उसकी ऊंचाई वही रही – बहुत छोटी. उसकी ऊंचाई बिल्कुल भी नहीं बढ़ी.

“काश!” ह्यू की माँ दुखी होकर कहतीं. “काश तुम्हारे पिता घर पर होते. तो वो ज़रूर तुम्हारी ऊंचाई का कुछ इलाज करते.”

छोटे ह्यू के पिता कहीं दूर एक जहाज़ पर काम करते थे. ह्यू को यह पता था.

एक दिन माँ ने ह्यू से कहा, “देखो बेटा, अगर तुम लम्बे होना चाहते हो तो तुम्हें रोजाना ताज़ी सब्ज़ी और फल खाने चाहिए.”

“जैसे कद्दू?” ह्यू ने पूछा. “मुझे कद्दू का सूप बहुत पसंद है.”

“कद्दू तो अच्छा है. उसके साथ तुम्हें पालक भी खाना चाहिए, ह्यू?”

छी!" ह्यू ने कहा. "पालक से मुझे उल्टी आती है! उससे अच्छा तो मैं आम और तरबूज जैसे फल खाऊँगा."

"अनानास, चीकू भी, क्योंकि वो भी तुम्हें पसंद हैं?" माँ ने कहा.

"हाँ, वो तो मुझे बहुत अच्छे लगते हैं," ह्यू ने कहा.

"और केले, काजू और संतरे भी?" माँ ने पूछा.

"हाँ," ह्यू ने कहा, "वो तो बेहद स्वादिष्ट फल हैं! साथ में मुझे अमरुद और इमली भी अच्छी लगती हैं."

"ठीक!, मैं यह फल तुम्हारे लिए ज़रूर लाऊंगी," माँ ने कहा.

जल्द ही ह्यू, माँ के दीं सभी चीज़ें खा रहा था. कद्दू का सूप बहुत स्वादिष्ट था. पर उसे फल सबसे अच्छे लगते थे.

उस सबके बावजूद भी ह्यू की ऊंचाई वही रही, बिल्कुल नहीं बढ़ी.

ह्यू के जन्मदिन पर उसकी नानी ने उसे एक विशेष उपहार दिया.

“मैंने तुम्हारे लिए नए कपड़े सिले हैं,” उन्होंने कहा. “कपड़े अभी थोड़े बड़े हैं, पर तुम जल्द ही बड़े होकर उन्हें पहन पाओगे.”

ह्यू ने नए कपड़े पहन कर देखे. वो उसके लिए काफी ढीले थे.

“अरे वाह! तुम नए कपड़ों में अभी से ऊंचे लग रहे हो,” नानी ने कहा.

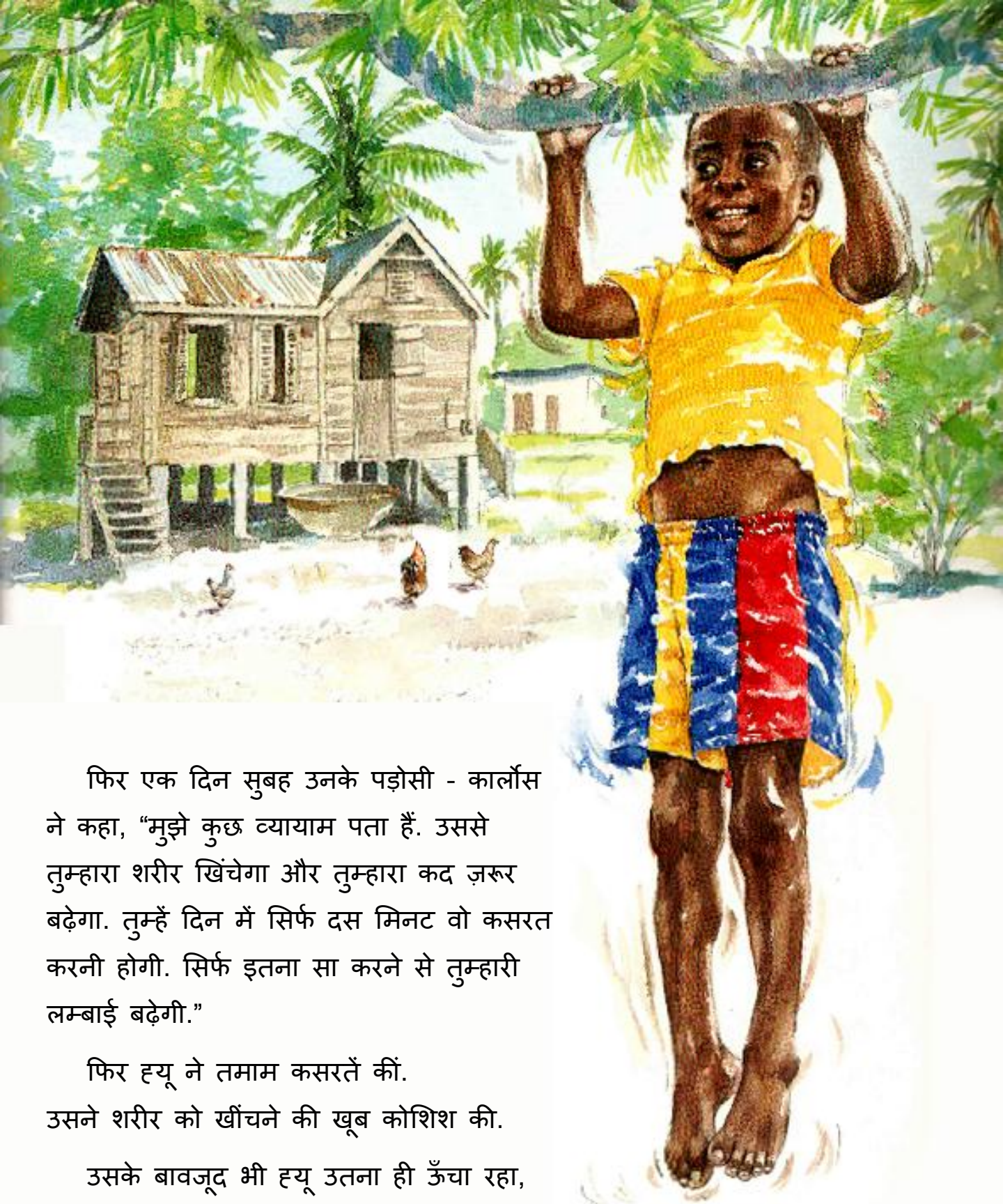

फिर एक दिन सुबह उनके पड़ोसी - कार्लोस ने कहा, “मुझे कुछ व्यायाम पता हैं. उससे तुम्हारा शरीर खिंचेगा और तुम्हारा कद ज़रूर बढ़ेगा. तुम्हें दिन में सिर्फ दस मिनट वो कसरत करनी होगी. सिर्फ इतना सा करने से तुम्हारी लम्बाई बढ़ेगी.”

फिर ह्यू ने तमाम कसरतें कीं.
उसने शरीर को खींचने की खूब कोशिश की.

उसके बावजूद भी ह्यू उतना ही ऊँचा रहा, जितना वो पहले था.

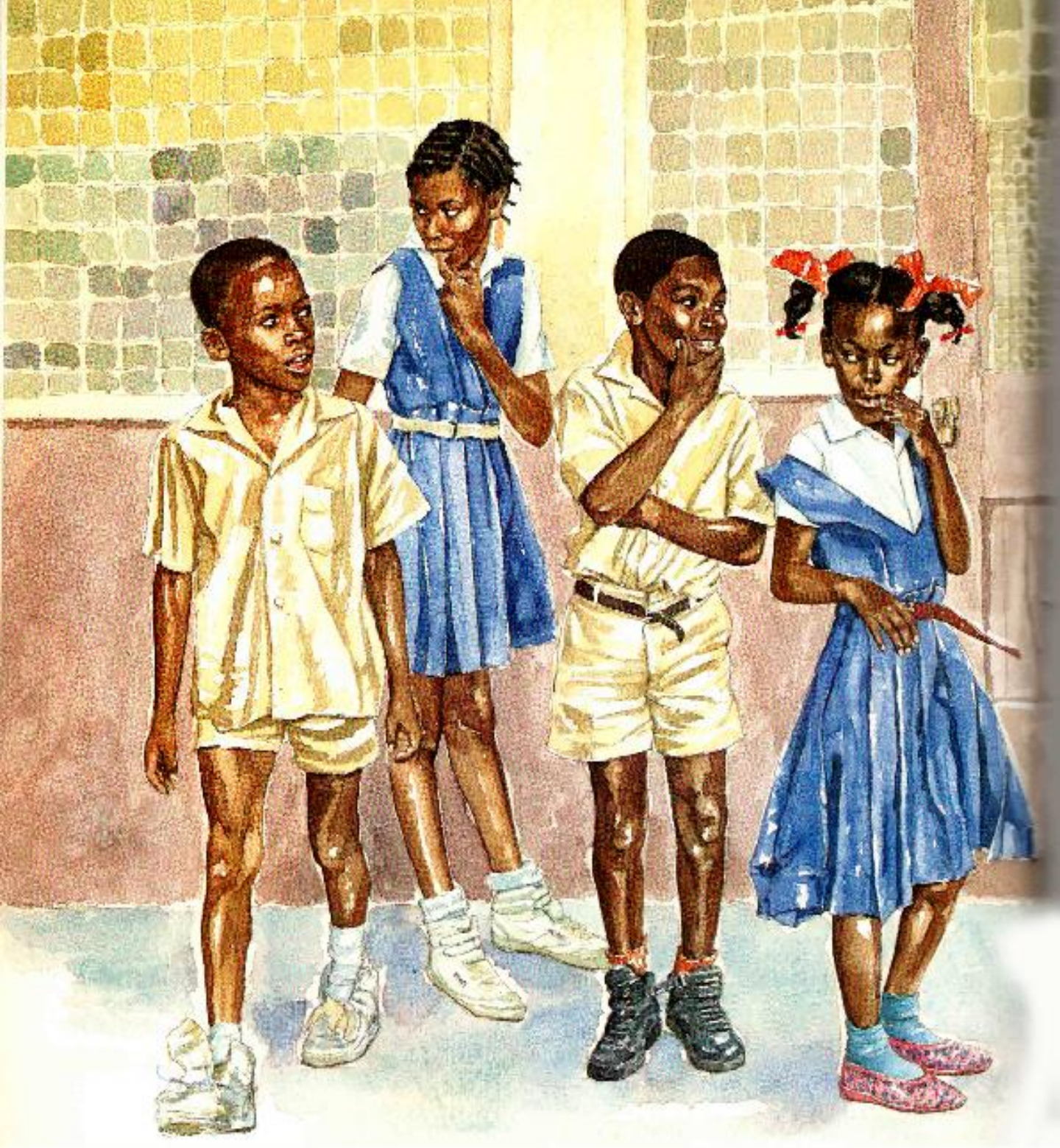

स्कूल में उसकी क्लास के बच्चों ने उसे चिढ़ाने के लिए एक गीत लिखा:

“चाहिए, चाहिए, ऊंची हील वाले जूते,

स्कूल के सबसे छोटे लड़के के लिए.”

बिचारा ह्यू क्या करता? उसका मुंह लटक गया.

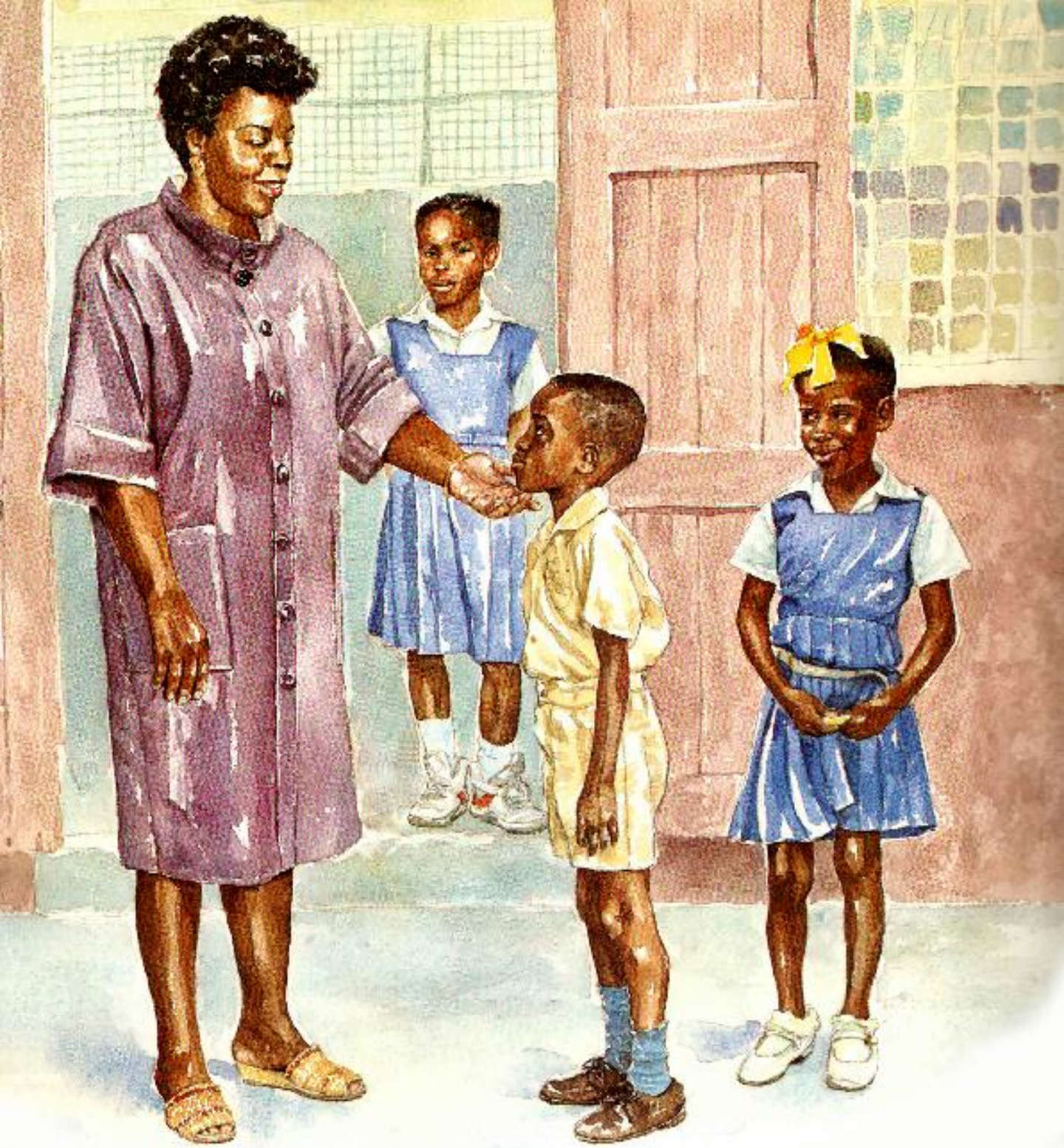

ह्यू की टीचर मिस हार्पर ने कहा, “यह बिल्कुल बकवास गीत है! ह्यू तुम बिल्कुल ठीक हो. अपना सर ऊंचा उठाओ और गर्व से आगे बढ़ो. तुम्हें बस इतना ही करना है!”

पर उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा. ह्यू की ऊंचाई वही रही, बिल्कुल नहीं बढ़ी.

वो बिल्कुल नहीं बढ़ा, बिल्कुल भी नहीं.

ह्यू की माँ की चिंता बढ़ने लगी.

“चलो, हम गाँव में ही कोई मदद खोजते हैं,” उन्होंने कहा.

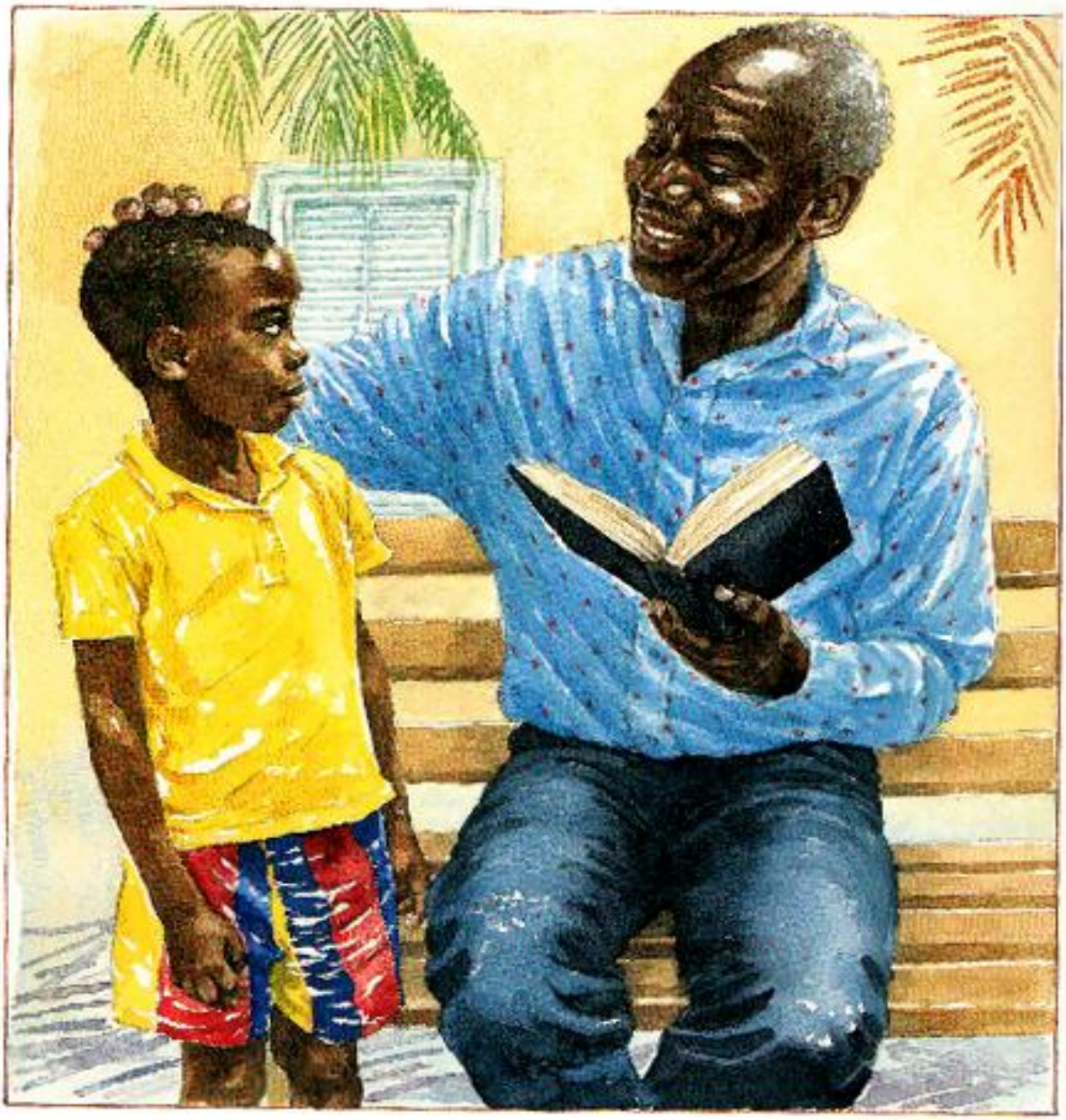

सबसे पहले वो गाँव के सबसे ज्ञानी और समझदार आदमी के पास गए. “क्या आप कुछ कर सकते हैं जिससे ह्यू की ऊंचाई दूसरे बच्चों जैसी हो जाए?” माँ ने पूछा.

फिर गाँव के उस समझदार आदमी ने ह्यू को ऊपर से नीचे तक देखा. “देखो, बेटा ह्यू,” उसने कहा. “जहाँ मदद की कोई ज़रुरत न हो, वहां कोई भी मदद नहीं कर सकता है.”

अगले दिन वो डॉक्टर गामस के पास गए. उन्होंने ह्यू का पूरा मुआईना किया.

फिर उन्होंने कहा, “तुम एकदम फिट हो, ह्यू. तुम्हें कोई बीमारी नहीं है. कुछ लोगों का कद छोटा होता है, पर उनकी सेहत एकदम अच्छी होती है, समझे.”

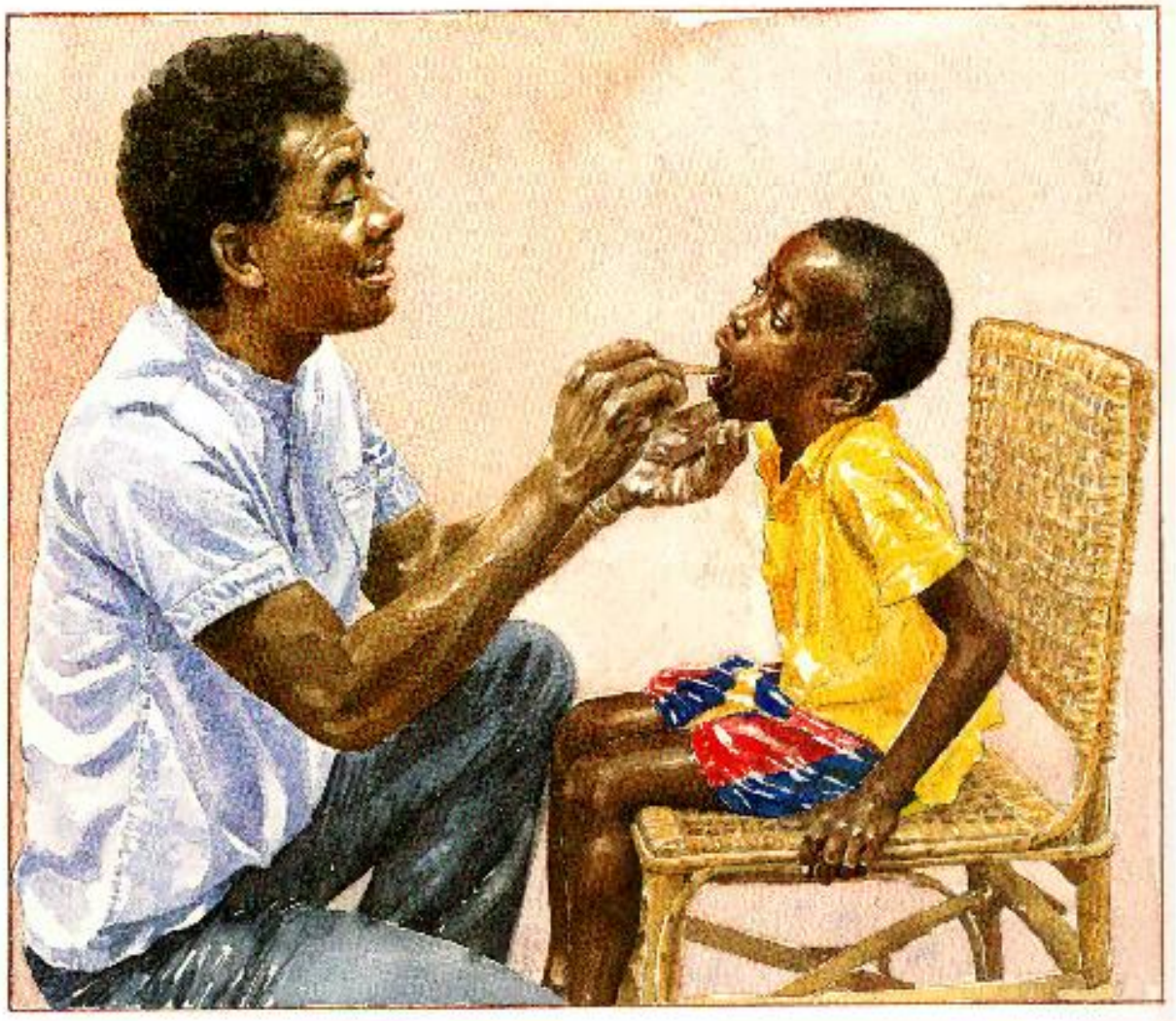

“बाप रे!” माँ ने रोते हुए कहा. “लगता है ह्यू की समस्या, इस गाँव से भी बड़ी है!”

माँ ने बहुत सोचा. “अब हम मिस फ्रैन्गीपानी – गाँव की ओझा के पास जायेंगे,” उन्होंने कहा. “शायद वो हमारी कुछ मदद कर पाएं.”

अब ह्यू ने एक लम्बी साँस ली और कहा. “मुझे भी ऐसी ही उम्मीद है.”

“मिस फ्रैन्गीपानी,’ माँ ने कहा.

“क्या आप मेरे बेटे ह्यू का कद बढ़ाने के लिए कुछ कर सकती हैं?”

“यह तो बहुत आसान काम है,” मिस फ्रैन्गीपानी ने कहा.

“मुझे कद बढ़ाने का रहस्य पता है!”

फिर मिस फ्रैन्गीपानी ने अपना हाथ ह्यू के सर पर रखा.

उसके बाद उन्होंने कोई मन्त्र पढ़ा :

“बढ़ो, बढ़ो, बढ़ो

जल्दी से बढ़ो,

छूने से सिर

रखने से हाथ

इलाज हो साथ-साथ

बढ़ो, बढ़ो, बढ़ो

जल्दी से बढ़ो,

जैसे तुम्हें बढ़ना चाहिए.”

उसके बाद मिस फ्रैन्गीपानी ने ह्यू को कुछ जड़ी-बूटियाँ दीं.

“तुम इन्हें पानी में मिलाकर नहाना,” उन्होंने समझाया.

“ध्यान से हर रात नहाना.”

एक महीने तक ह्यू ने बिल्कुल वैसा ही किया जैसा उसे बताया गया था.

उसके बावजूद ह्यू की ऊंचाई बिल्कुल भी, इतनी सी भी नहीं बढ़ी.

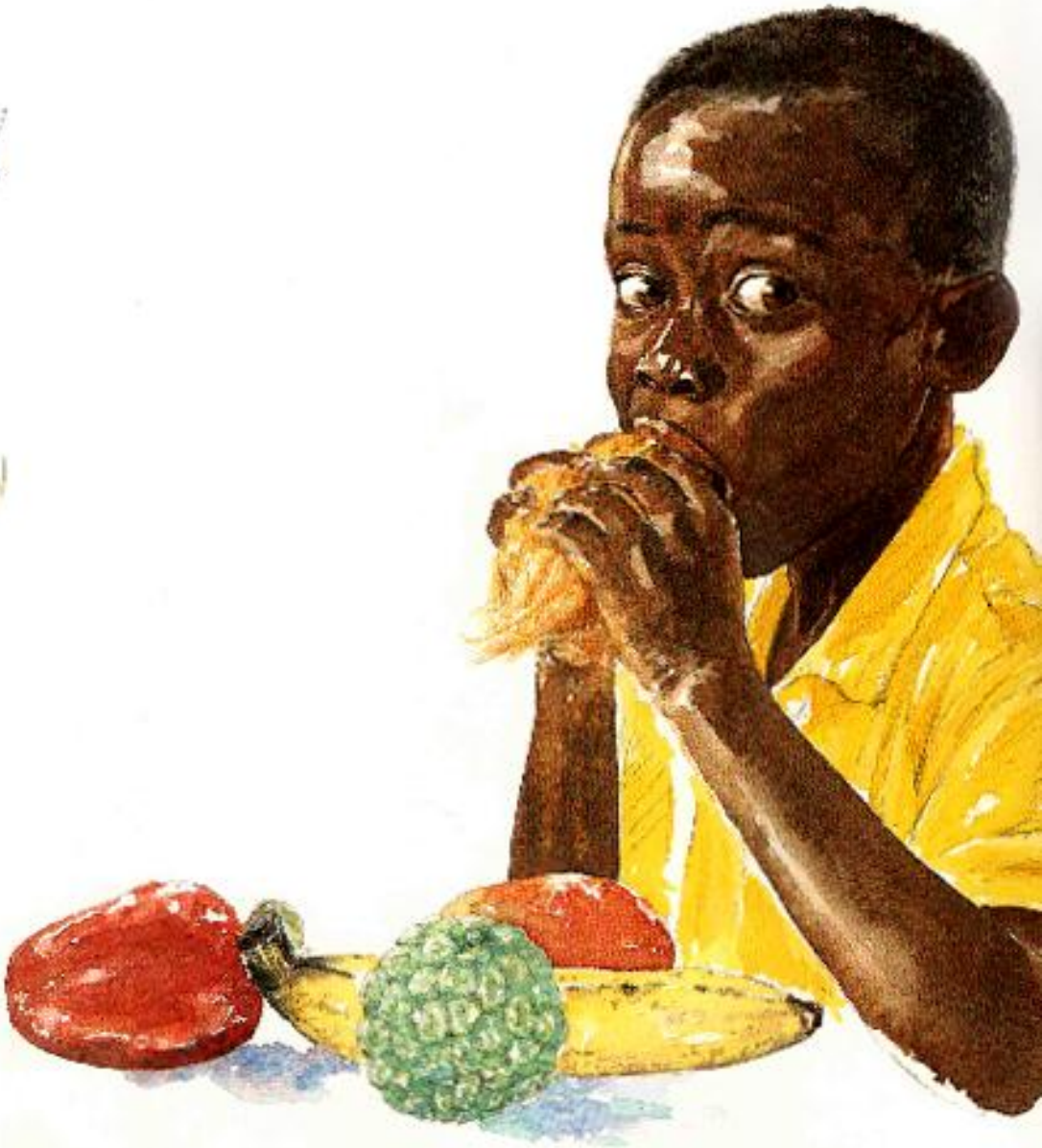

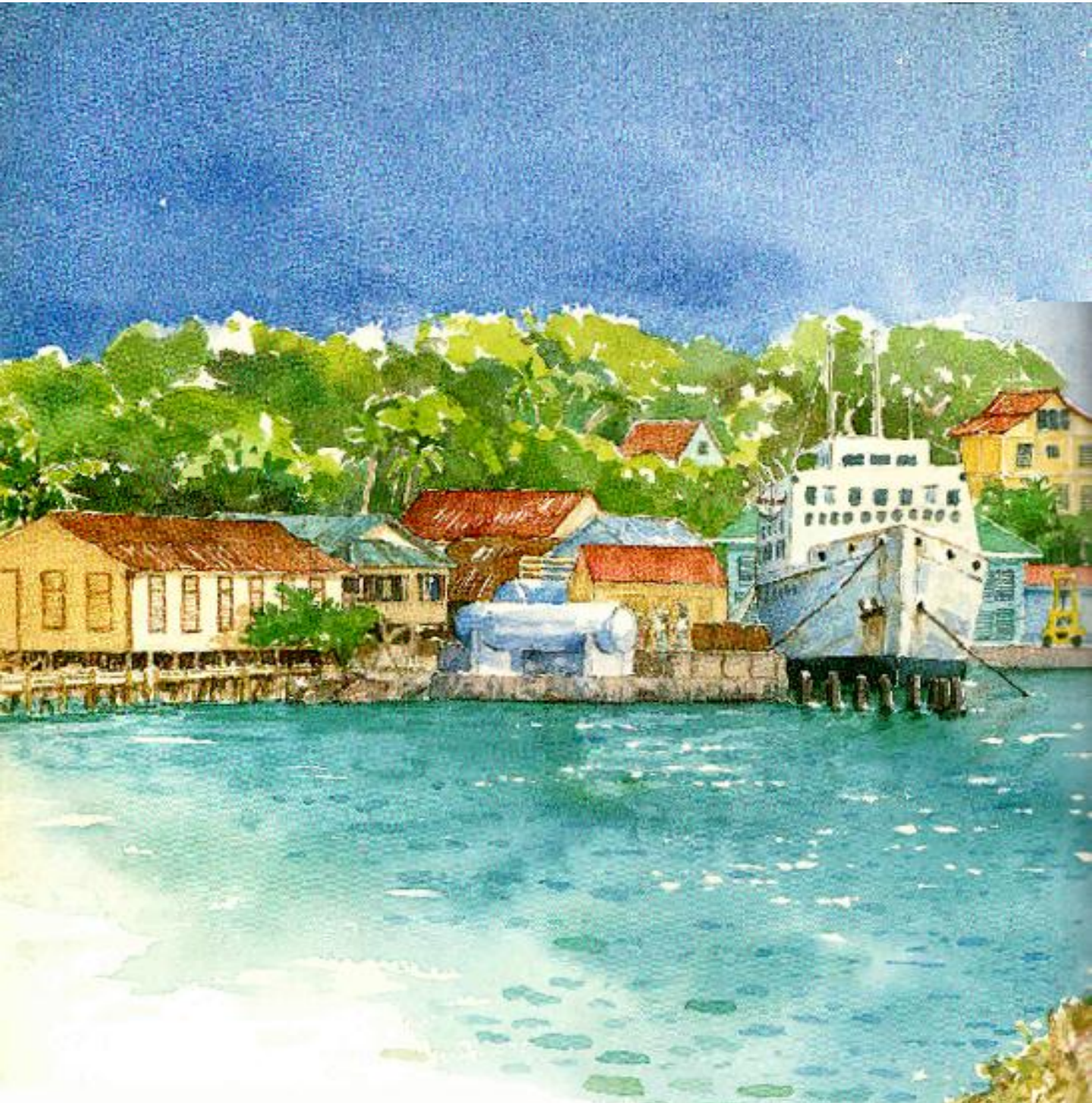

कभी-कभी ह्यू बंदरगाह पर घूमने जाता. वहां वो बड़े-बड़े जहाज़ों को, आते-जाते देखता. तब वो अपनी छोटी ऊंचाई के झमेले के बारे में सब कुछ भूल जाता था.

एक दिन बंदरगाह पर एक बड़ा सुन्दर जहाज़ आया.

यह तो बेहद खूबसूरत जहाज़ है! ह्यू ने सोचा.

मैनें जितने भी जहाज़ देखे हैं, उनमें वो सबसे बड़ा है!

तभी ह्यू को मुसाफिरों में, एक बहुत ऊंचे कद का आदमी नज़र आया.

वो आदमी सीधा ह्यू की तरफ आया.

“हेलो ह्यू,” उसने कहा.

“हेलो पापा!” ह्यू चिल्लाया.

पापा ने ह्यू का हाथ पकड़ा
और फिर दोनों बंदरगाह से
गाँव की ओर चले.

वो मिस फ्रैन्गीपानी के घर के सामने से गुज़रे,

वो डॉक्टर गामस के घर के सामने से गुज़रे,

फिर गाँव के सबसे समझदार आदमी के घर के सामने से गुज़रे.

वो मिस हार्पर और कार्लोस के घर के सामने से गुज़रे.

फिर वो ह्यू के स्कूल के मित्रों के सामने से गुज़रे.

अंत में वो माँ और नानी से मिले.

और वहां पर पहली बार, ह्यू अपना सिर ऊंचा उठाकर सीधा चला.

वो अपने गाँव का सबसे खुश लड़का था.

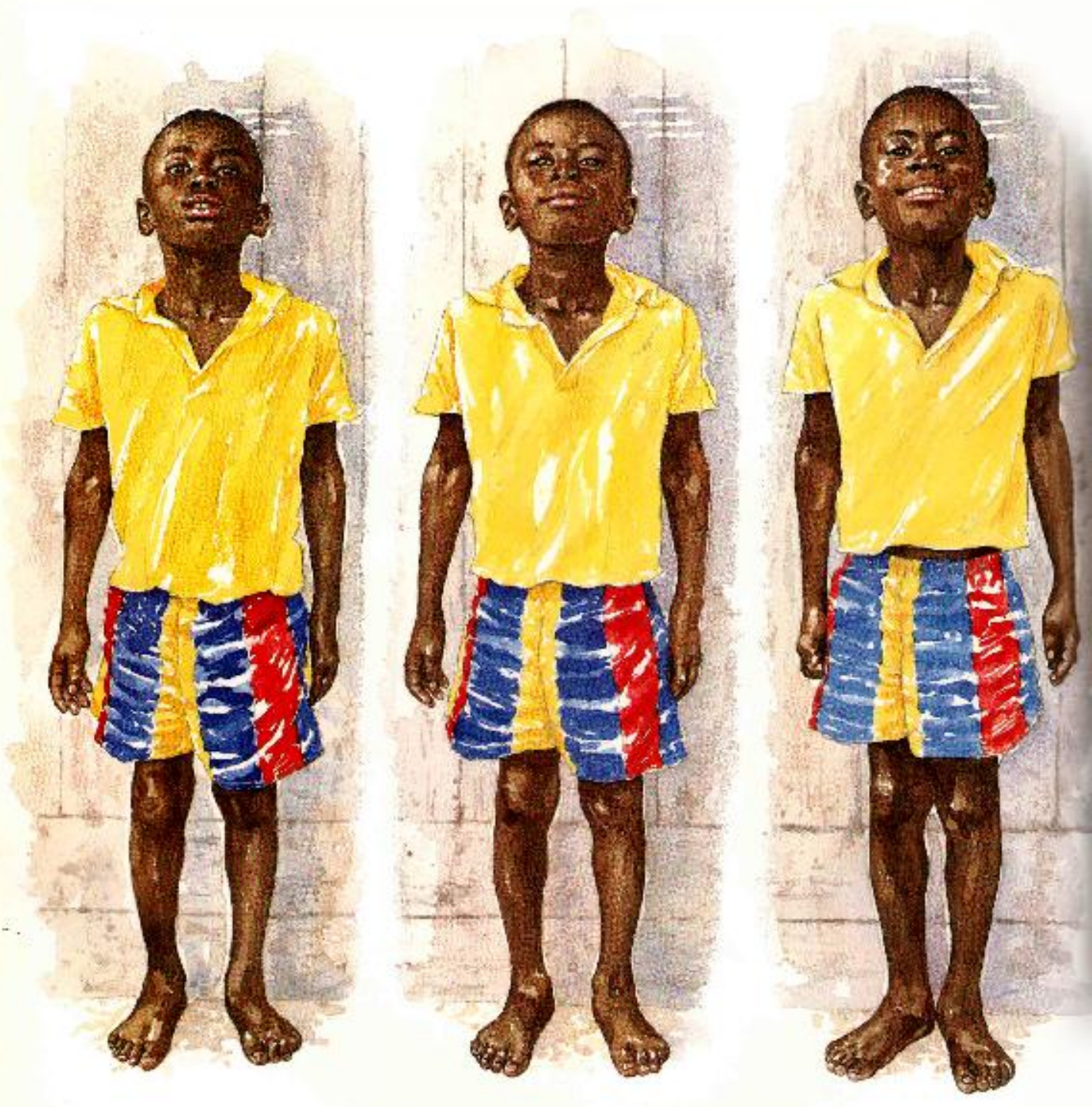

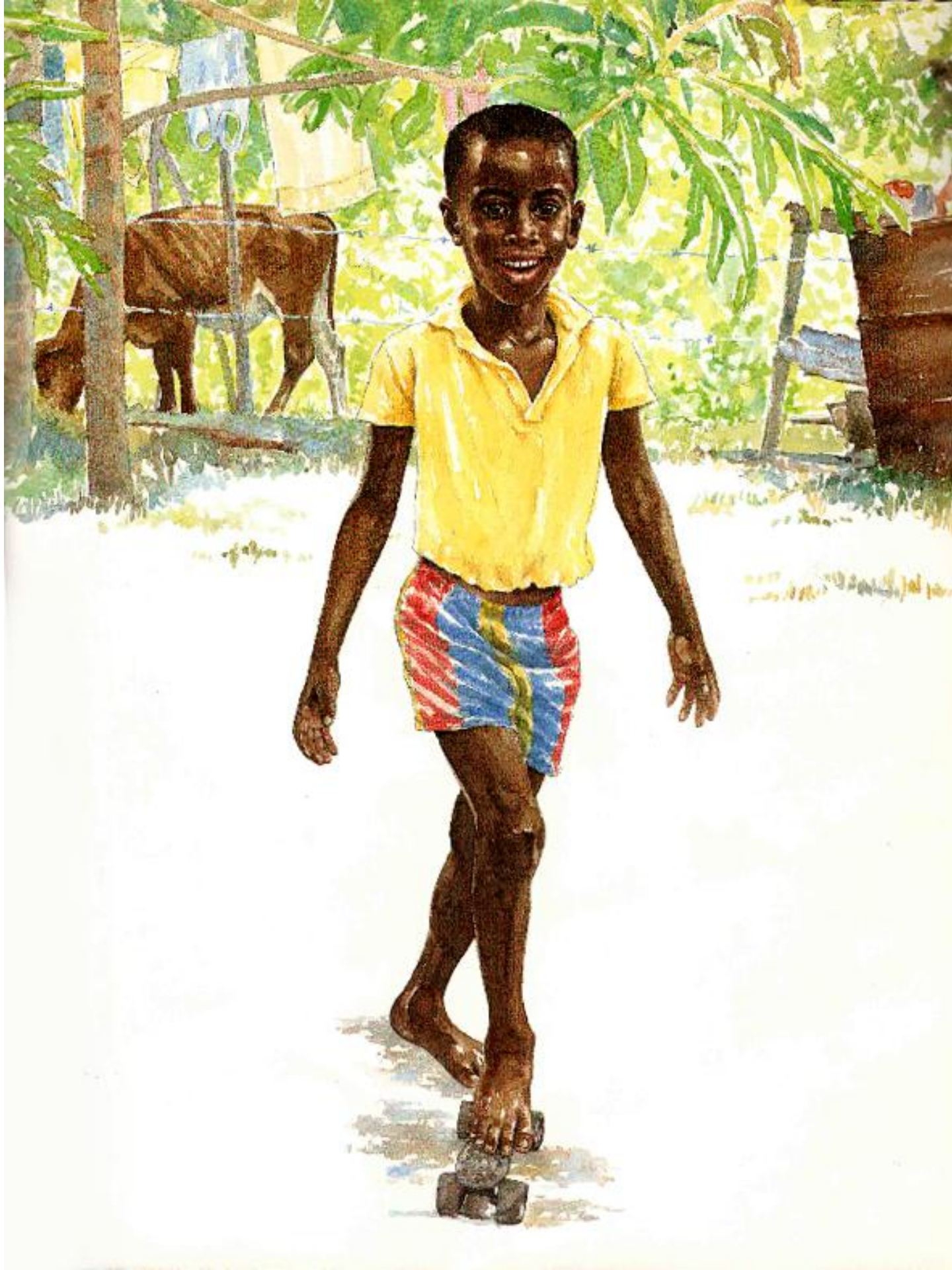

ह्यू अपने गाँव का सबसे नाटा लड़का है. यह गाँव की बड़ी खबर है. हरेक कोई-न-कोई सुझाव देता है – कद्दू के सूप से लेकर, जड़ी-बूटी के स्नान तक, जिससे ह्यू की ऊँचाई बढ़ सके!

Oxfam